बच्चों की डिजिटल सुरक्षा: प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी और जवाबदेही

समाचार-संदर्भ: 2026-11-06 | **प्रकाशन:** 7 नवंबर 2026

मुख्य परीक्षा: GS-II/III: बाल अधिकार, डिजिटल शासन और साइबर सुरक्षा



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

6 नवंबर 2026 को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने सोशल मीडिया कंपनियों से बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिद्मिक पारदर्शिता और प्रभावी शिकायत-निवारण के लिए सक्रिय कदम उठाने को कहा। इसके एक दिन पहले दिल्ली में Meta के प्लेटफॉर्म पर कथित बाल यौन शोषण सामग्री के प्रसार से संबंधित FIR दर्ज होने की खबर आई थी। FIR आरोपों की जाँच की शुरुआत है, न्यायालय का दोष-सिद्ध निर्णय नहीं। मंत्री का वक्तव्य भी अपने आप कोई नया कानून लागू नहीं करता।

समस्या केवल आपत्तिजनक पोस्ट की नहीं

बच्चों का जोखिम सामग्री देखने तक सीमित नहीं है। अनचाहा संपर्क, छल से भरोसा जीतना, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, यौन शोषण, धमकी और हानिकारक सामग्री का लगातार सुझाव मिलना भी इसमें आते हैं। बाल यौन शोषण सामग्री को सामान्य मनोरंजन या केवल निजी विवाद मानना पीड़ित बच्चे की गरिमा और सुरक्षा की उपेक्षा है।

एल्गोरिद्मिक पारदर्शिता क्या है

PCSMANTRA.COM

एल्गोरिद्म नियमों या संगणकीय प्रक्रियाओं का समूह है जिससे मंच सामग्री चुनता और क्रम देता है। पारदर्शिता का अर्थ यह समझ पाना है कि किसी उपयोगकर्ता को क्या सुझाया जा रहा है, किन संकेतों का उपयोग हो रहा है और जोखिम की जाँच कैसे होती है। इसका अर्थ सभी निजी डेटा या सुरक्षा-व्यवस्था को सार्वजनिक कर देना नहीं है।

बच्चों के लिए निजी सेटिंग, अनचाहे संपर्क पर रोक और हानिकारक सामग्री की सिफारिश कम करना उपयोगी सुरक्षा विकल्प हो सकते हैं। इनके प्रभाव की स्वतंत्र जाँच भी होनी चाहिए।

शिकायत से उपचार तक

शिकायत दर्ज करने का बटन होना पर्याप्त नहीं। प्रक्रिया बच्चे और अभिभावक के लिए सरल हो, शिकायत की स्थिति दिखे, तात्कालिक जोखिम की प्राथमिकता तय हो और जरूरत पर मानव समीक्षा मिले। समान हानिकारक सामग्री बार-बार अपलोड होने की समस्या भी संबोधित करनी चाहिए।

MeitY की 2025 की सलाह में IT Rules के तहत निजी अंग, नग्नता, यौन कृत्य या छेड़छाड़ की गई संबंधित निजी छवियों जैसी शिकायतों पर 24 घंटे में हटाने या पहुँच निष्क्रिय करने के प्रावधान का उल्लेख है। यह निर्दिष्ट श्रेणी और शिकायत-प्रक्रिया से जुड़ा नियम है; हर प्रकार की शिकायत के लिए एक ही समयसीमा मानना गलत होगा।

सुरक्षा और अधिकार साथ कैसे बचें

- **न्यूनतम डेटा:** उम्र-जाँच के लिए अनावश्यक पहचान-संग्रह न हो।
- **सुरक्षित डिजाइन:** बच्चों के लिए जोखिम घटाने वाली शुरुआती सेटिंग और संपर्क-सीमाएँ हों।
- **मानव समीक्षा:** संदर्भ समझने और गलत हटाने के विरुद्ध अपील का रास्ता हो।
- **जवाबदेही:** शिकायतों, प्रतिक्रिया और दोबारा प्रसार के आँकड़ों की सुरक्षित समीक्षा हो।
- **पीड़ित-केंद्रित मदद:** बच्चे की पहचान गोपनीय रहे, सहायता और विधिसम्मत जाँच तक पहुँच हो।

परीक्षा के लिए महत्त्व

बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को केवल अभिभावकों की निगरानी पर नहीं छोड़ा जा सकता। प्लेटफॉर्म का डिजाइन, व्यावसायिक प्रोत्साहन, शिकायत व्यवस्था, कानूनी दायित्व और डिजिटल साक्षरता मिलकर परिणाम तय करते हैं। उपाय बाल अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ध्यान में रखकर होने चाहिए।

> सुरक्षा और संस्थागत जिम्मेदारी का संबंधित अध्ययन: **महिला सुरक्षा पर NHRC की सलाह**

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए प्लेटफॉर्म जवाबदेही को सुरक्षित डिजाइन, गोपनीयता और प्रभावी शिकायत-निवारण से कैसे जोड़ा जा सकता है? (250 शब्द,15 अंक)

भूमिका में:
बच्चों के डिजिटल जोखिम और प्लेटफॉर्म की भूमिका बताएं।

मुख्य भाग में:
सुरक्षित डिजाइन, सिफारिश-तंत्र की जाँच, सीमित डेटा-संग्रह, समयबद्ध उपचार और अपील की चर्चा करें।

निष्कर्ष में:
बच्चे की गरिमा और अधिकारों पर आधारित बहु-पक्षीय उपाय सुझाएँ।

स्रोत

PCSMANTRA.COM

- 6 नवंबर:मंत्री के वक्तव्य की रिपोर्ट
- 6 नवंबर:वक्तव्य की PTI रिपोर्ट
- 5 नवंबर:दिल्ली FIR की खबर
- MeitY:2025 की NCII सलाह और संबंधित नियम